

---

# Shri Ramakrishna ratrikam

---

## श्रीरामकृष्णारात्रिकम्

---

### Document Information

Text title : Shri Ramakrishna ratrikam

File name : rAmakRRiShNArAtrikam.itx

Category : deities\_misc, gurudev, rAmakRiShNa, AratI

Location : doc\_deities\_misc

Proofread by : Aruna Narayanan

Description-comments : rAmakRiShNastotramALA, stavanAnjali

Acknowledge-Permission: Ramakrishna Shivananda Mission, Varasat

Latest update : June 12, 2023

Send corrections to : Sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

June 12, 2023

*sanskritdocuments.org*

---

श्रीरामकृष्णारात्रिकम्



भव-बन्धन-भय-खण्डन ! शुभ-वन्दन ! वन्दे ।  
गत-रञ्जन ! भव-भञ्जन ! निहितनयन ! मन्दे ॥ १ ॥  
गुणमयवर ! निर्गुणनर ! नवमानव रूपिन् ।  
अघदूषण-गणमोचन ! जगभूषण-रूपिन् ॥ २ ॥  
ज्ञानाञ्जन विमलनयन ! वीक्ष्यमोहनाशिन् ।  
भास्वर-सुभाव-सागर ! शशि-सुविशदहासिन् ॥ ३ ॥  
भक्तार्चित चरण युगल ! भवसागर तारक ।  
जृम्भितयुग-ईश्वर ! जगदीश्वर ! न्यायकारक ॥ ४ ॥  
तव कृपया प्राप्त - समाधानमनाः पश्यन् ।  
अस्मि कर्मकाठिन्यं करुणाघन ! हृष्यन् ॥ ५ ॥  
भवतारण-प्राणार्पण ! भयहर ! कलिकृन्तन ।  
अतिनिन्दित-करणराग ! वञ्चन कामकाञ्चन ॥ ६ ॥  
त्यागीश्वर ! हे नरवर ! देहपदामोह ।  
निर्भय ! गत-संशय ! दृढनिश्चय ! गतलोह ॥ ७ ॥  
निष्कारण ! भक्तशरण ! त्यक्तजातिमान ।  
सम्पन्मम तव चरणं भवगोष्पदमान ॥ ८ ॥  
प्रेमार्पण समदर्शन ! दुःखमेतु विलयम् ।  
तव गानं गतमानं विलसत्वविलयम् ॥ ९ ॥  
नमो नमोऽवाङ्मानसगोचर !  
मतिवचनैकाधार ।  
ज्योतिर्ज्योतिषोऽपि हृत्कन्दर-  
तमसो वर -संहार ॥ १० ॥


धित्तान् धित्तान् वदति मृदङ्गो  
ये न पदे ते प्रणताः ।  
गायन्त्येते भक्तजनास्ते  
ह्यारात्रिकं प्रविनताः ॥ ११ ॥

जयतु जयत्वारात्रिकमेतत्  
तव शम्भो ! शिव ! हर ! हर !  
आनन्देनानुदितमभवत्  
गानमिदं ते शङ्कर ! ॥ १२ ॥


इति न्यायाचार्य पं. श्रीआनन्द झा-अनुवादितं श्रीरामकृष्णारात्रिकं सम्पूर्णम् ।  
मूलं स्वामिविवेकानन्दविरचितं  
यह स्वामी विवेकानन्द जी द्वारा रचित “श्री श्री रामकृष्ण-आरात्रिक”  
भजन का संस्कृत अनुवाद है ।

Proofread by Aruna Narayanan

---

——  
*Shri Ramakrishna ratrikam*

pdf was typeset on June 12, 2023

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

